2774

ॐ नमो सिद्धि गरल [illegible] र्क्ष: थ पूनक ॐ क न्यम द्वा॥
ॐ कनकूल स्वाहा वाय स्वाहा॥ थ मंत्र: य न स्याक यविध्व
नथ॥ ॐ वि द्या म हावा ना त वानि: व ज ज्ञानि वा वा: दी
र्घ सि द्धि स्वाहा॥ थ मंत्र न: गू ना: ज्ञा ना व नी सी: र प व थस
ल्या क: षि क द्व था न थो ज य: ज्ञा प यामि॥ ॐ वि द्या वा यि वि
द्धे ई ई रू ढ स्वा हा: सि द्धि गरल स्या ल्ला॥ क ग ह्ला॥ थ मंत्र न मा ल प्य रू पा:
ॐ ज्ञा न क नाय ई ई रू ढ स्वा हा॥ सि द्धि गर ल स्या ल्ला॥ क ग ह्ला॥ थ मंत्र
न मि स्वा ह स्व रू प य रे खा॥ ॐ ह्रीं॥ क्रों रेवत गीगये को हाग:

ॐ श्रीपर्वतवासिन्यायेहिं गिरिपर्वतस्थायिः वायिश्वर्यनः शाकाद
नस्य हूँ स्फुरु स्वाहा ॥ सिद्धिगरुस्थाल्ला ॥ अत्र हाथमंक्रनसापाविकपूस्य
॥ ॐ ह्रीं श्रीं क्रौं क्लीं ऐं कलशाय नमः विषनिवारवानमानमः कात्रिको मोगिकिः
ॐ ल्लां हूँ स्फुरु स्वाहा ॥ सिद्धिगरुस्थाल्ला ॥ थमंक्रनस्यारथनमसश्रीगः
यलयंथमंक्रयथवक्लांगांयांयय मां ॥ ॐ ह्रीं श्रीं क्रौं हूलि अत्रकाबुक
पानिअत्रकाबुक लरुअत्रकाबुक सिद्धिगरुस्थाल्ला ॥ अत्रहाथरथा
पलिकायाडावुनयोवडाल्लाक ॥ ॐ ह्रीं श्रीं क्रौं किलकिलस्वाहामालालक
लासिद्धिगरुस्थाल्ला अत्र आजाकिलंनडायामंक्रथ ॥ ॐ ह्रीं श्रीं क्रौं हूँहिं
वालखरुसंकोथस्वाहासिद्धिगरुस्थाल्ला ॥ अत्रनमवावृयमरुया

स्यकेडगंकेथल्ला

ॐ ह्रीं ख ख ख वासुदेव न वसि द्वि स्वा ला: सि द्वि गुरु स्व क्ष्मा क्ष म र न ॥ थ मं स्तं न
मा य या य ना न र क्षि न म ला डा सां य या यं ॥ ॐ ॥ ॐ ह्रीं ख वि स्वा: मा ल व वि स्वा ला ॥
सि द्वि गुरु स्व क्ष्मा क्ष ॥ क्ष म र न ॥ वि न डा क या न्न स लाय वि क्ष न थ ॥ ॐ ॥ ॐ ह्रीं मा ल:
मा लि नि य ह्रूँ रू ढ स्वा ला क्ष म र न ॥ सि द्वि गुरु स्व क्ष्मा क्ष थ मं स्तं न वि को ग न
का लं ख स न या डा ऊ प ल पा डा ना न क: कि मि ना थ य: स्वा य गृ य वि क्ष न
ॐ ॥ ॐ ह्रीं वि द्या मा ल ना ग वि द्या सि ग ल वा यि वि द्या ह्रूँ रू ढ स्वा ला: सि द्
द्वि गुरु स्व क्ष्मा क्ष ॥ क्ष म र न ॥ थ मं स्तं न्न मी न पू क्या ला लाय गृ ह्य ॥ ॥ र मा:
न नि मा न नि सि द्वि वी ना न्न क किं ज्य क्ष्मा क्ष्रूं ख न वा वा क्ष म र ३ ॥ म क्ष क्ष्रूं

थमंत्रयया विधानथा ॥ ॐ ह्रीं क्लीं ब्लूं सः विकाविद्या साविश्रलक्ष्मि सिद्धि मरुस्था
ल्लाभन १०१८ ॥ खादका हरुग्जपत्त ॥ ॐ ह्रीं क्लीं ब्लूं मालवेशपथवा सेन
हिंमालवेशाग्रापर्वतलक्ष्मि रू८ खाखा ॥ सिद्धि मरुस्थल्ला ॥ भन १०१८ ॥ कास
खलकायागखालदूछिवागवृक्षथाथा दाडाडवक्षसस्थ्यलाथायविधाथा
ॐ ॥ ह्रीं ॐ इंद्रलावलपविकुं वोडनवावार्नृत्याय आओडना ॥ हंसिद्धि मरु
स्थल्ला ॥ भनडक ॥ ब्यारव्यारहयाब्यां हयरू८डा भनडलाखाकायागज
पलपावधस्वथवीगसंगिनब्लूंवनथडाडालहंवकपायथनहयनाक्षिथ
तत्रमिमंत्रथा ॥ ॐ ह्रीं क्लीं ब्लूं सः लपिसगर्द्धडथडा ॥ थमंत्रनडगलसरूकर
ह्रीं क्लीं ब्लूं मालहि ॥ लिकाकविधना ॥ कूंथालसाचाडाडागआग्रथ

ह्रूँ क्रोमासिन्यस्त्रा॥ कवचिहूवचिहूँ रुद्रखाखा॥ अटहिद्वियमंत्रथा॥ॐ॥ रुद्र
ऊर्द्धहूँ रुद्रखाखा॥ अनरइ॥ थमंत्रनमिसायापनासिरुनकरुना॥ॐ॥ रुद
डाउमंत्रहूँ रुद्रखाखा॥ अनरइ॥ ङुनाविथमंत्रु॥ॐ॥ पार्वतिन्यस्त्राङं
नामासाखदयउनानःउँ उँ ब्रुन्द्रुरुद्रखाखा॥ ॥यदिगसंवाकायाव
दथसनयःखानसिंचनदयकाउनाखासिःनाखकायावरुपलपःथवान
हालःङुमदयकरुना॥ॐ॥ यायागानिःलर्कवासन्डाकानिदविर्यय
सनवानिःरुवमंत्रःरुंखनवावाउन्द्रुरुला॥ अनइ॥ कउनिरुलसं
पासथरुलथमंत्रुनरुपलेपाउनाक्षपाथमनेखायथनाप्यायिउरुना॥ॐ

पञ्चवक्त्रानन निसा दुःख कर्म वश्यः सिद्धनया मा विलसा वश्या वा
जस गुरु सिद्धि॥ ॐ ह्रीं ह्रूँ नमः आदेश गुरु का स्तुना किञ्चा नः लुप
किं गुरु ना निः आगि का नः ऊन वा नि: गुरु की स्तु नि मत्री ए की द्र
ग्रां मंत्र ॐ श्व त्र वा वा॥ क्ष ए ज्ञाय क्ष म स्व ल न सिसा न क मा:
नः सीसा वश्य याय रू ना वि धा थ नि श्च यनं॥ ॐ ह्रूँ॥ स्तु न म श्च
दस गुरु का वा न का मंत्रः ॐ ह्रूँ स्वाहा: ग्रां मा हानि: पा सि द्धि म
हानि स्वाहा: ॐ जाग जाग जागनि: नन आपत्र मश्वनि: स्तम्भ लोक
वधनि: मित्र आकर्षा हानि द्वि: नम सर्व ग्राकर्ना वश्यं कुरु कुरु स्वा

ॐ॥ॐ॥२१॥ॐनमो ल ल ब ड ज य ल पं न ॐ: नमो गुरु
ॐ॥ॐ॥ सुन मारो ढेकी नी मारो सतगुरु की वाचा लेती नै
वा ता वा ढ ऊ अगी नी को ब्रह्म मारो इश्वर मात्मा ढेकी वशि

ॐनमः [illegible] सरस्वत्यै

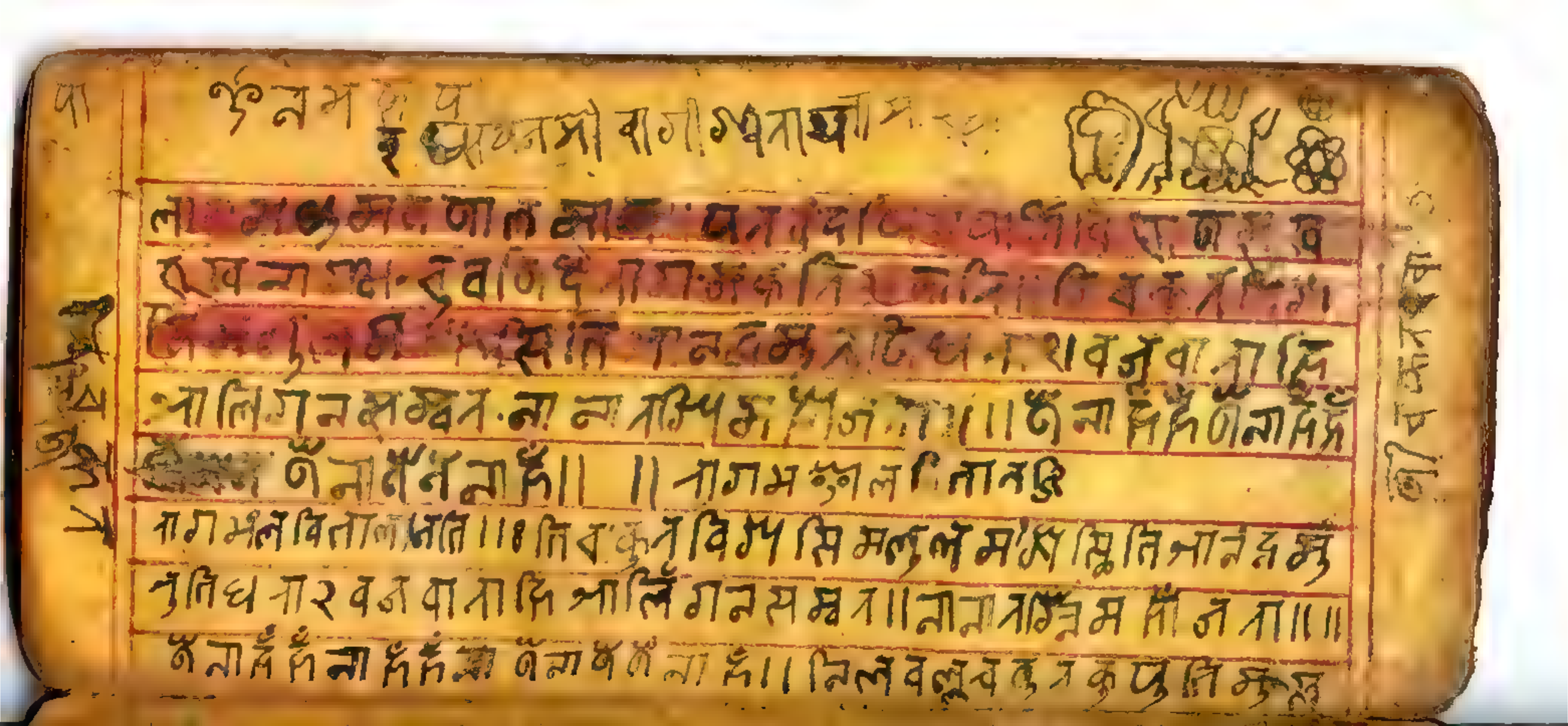

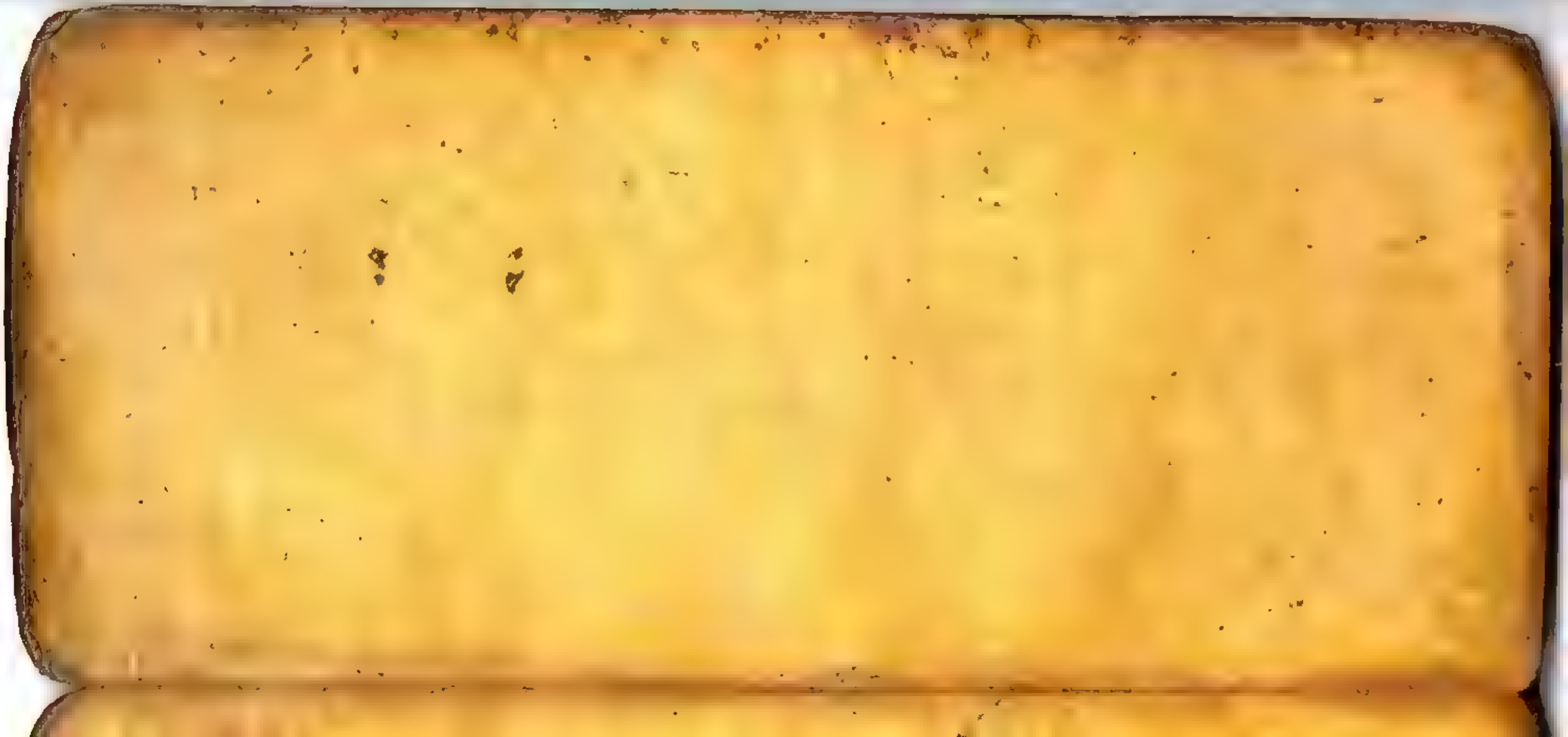

ॐ नमः शिवादि कालगनश्री पूर्णनामेयाङ्गुरुभ्यः कुलागमाहीनामभवा
निपावनसंचितनस्यात्मन्॥१॥वंदिकासंमलानमनेंद्रयपाद्म॥मात्रा
मायावंदुस्वपिपुनायाङ्गप्रभाजा॥२॥सुतमुनतमहिमपानमनसतायाः।
नमस्कृत्युजकृतान्यकायाः॥३॥ॐॐसनत्कुमारविस्यात॥प्रतिपालयाकृपा
कःजोकःकृनासत्यम्॥४॥सवदानकृपायाकमावातीखाजा॥मगतजननिद्रासु
खमिदयावाडाः॥चमत्यर्थकासमोक्षवरनासंविद्यात्किंकभोनमपा
थमवासयाश्रीमच्चासुतनमस्तिनगनतीचरानत्यसनागुरुंजक्षकुनंनं
किकायोपाकसंज्ञजनयंवानचमत्यर्थकासमुक्षपनाचलकरान॥६॥

Acc. No. 2774

गागविभाषुतानजाति॥ ७ दिषलतलुतयाश्रवदुतावैरवर्तेदा॥ पाञ्च
कंकालसतता॥ चुधोलदुतालभवनिसीतलितारश्रम्रयनिरंजनभा
रुकुतता॥ ॥दिनकरमनुलमधमगतारकतुलामूलयलसमेवकृ
ष्णा॥ ॥दमवसालिंभषप्रतिनिलतारदंकासुतनयशिखलभि.
ता॥ ॥गसनिपवधियुगुभगतारवंडवावादितुडुभिर्ङ
नमिता १०

2774

ॐ थअङ्कनः सिंधलः थल
वनः नरूअपत्रसवाय
आः मिसायानासद्वथन्थ
मानेः आयाश्चसश्चद्व
थाः दाआनाथथातिनमि

ॐ थअङ्कनेशः अमलवनः कुङ्कुमनल
अपत्रसवायः काशखलथआरक्षान
द्वद्विदादशवश्चथाथादाआः थअङ्क

सद्वथदाआः अवज्ञाआसथन्थः स

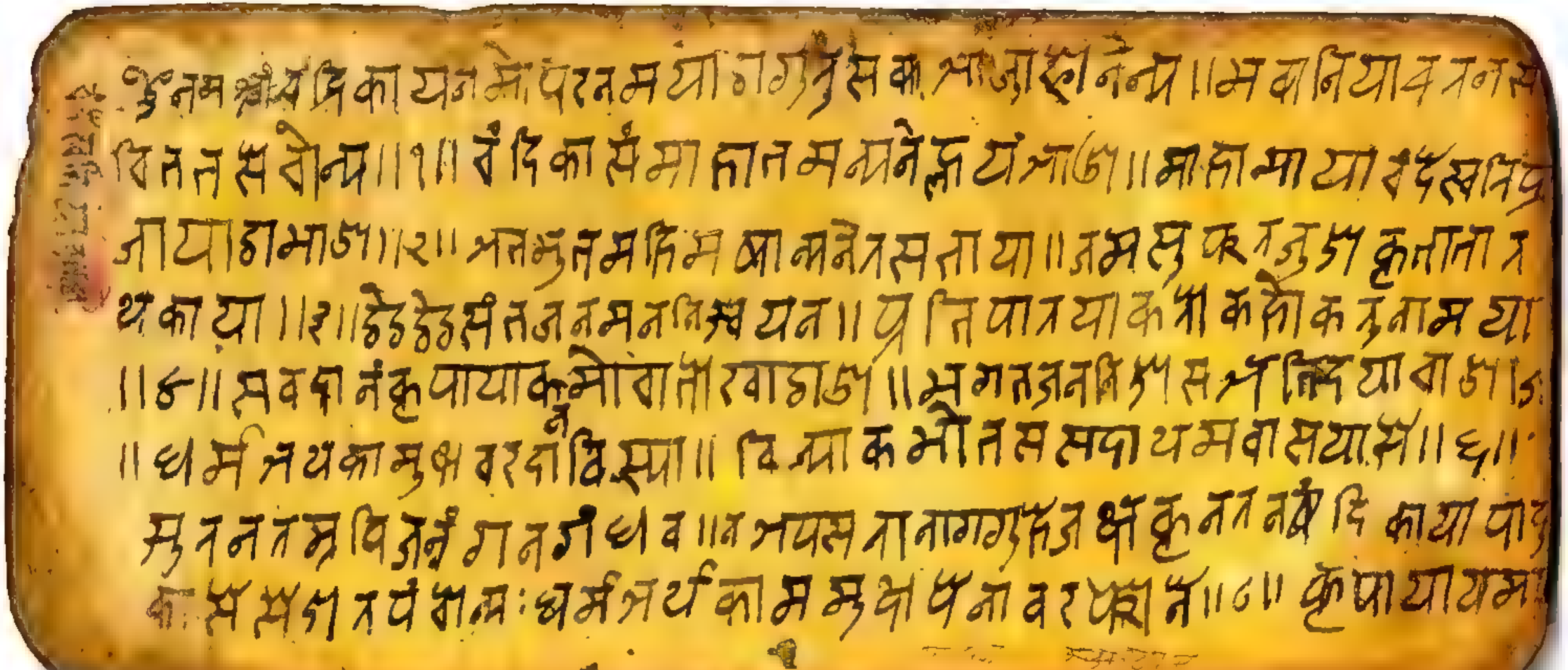

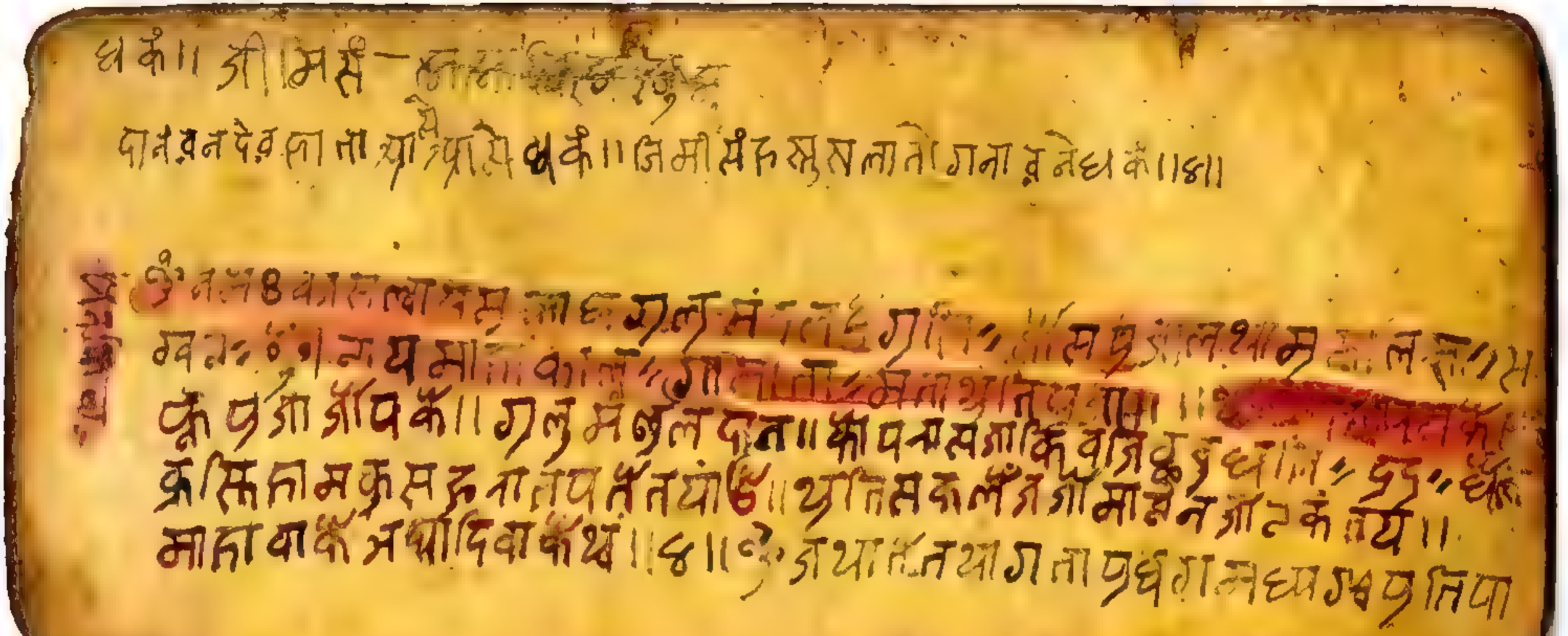

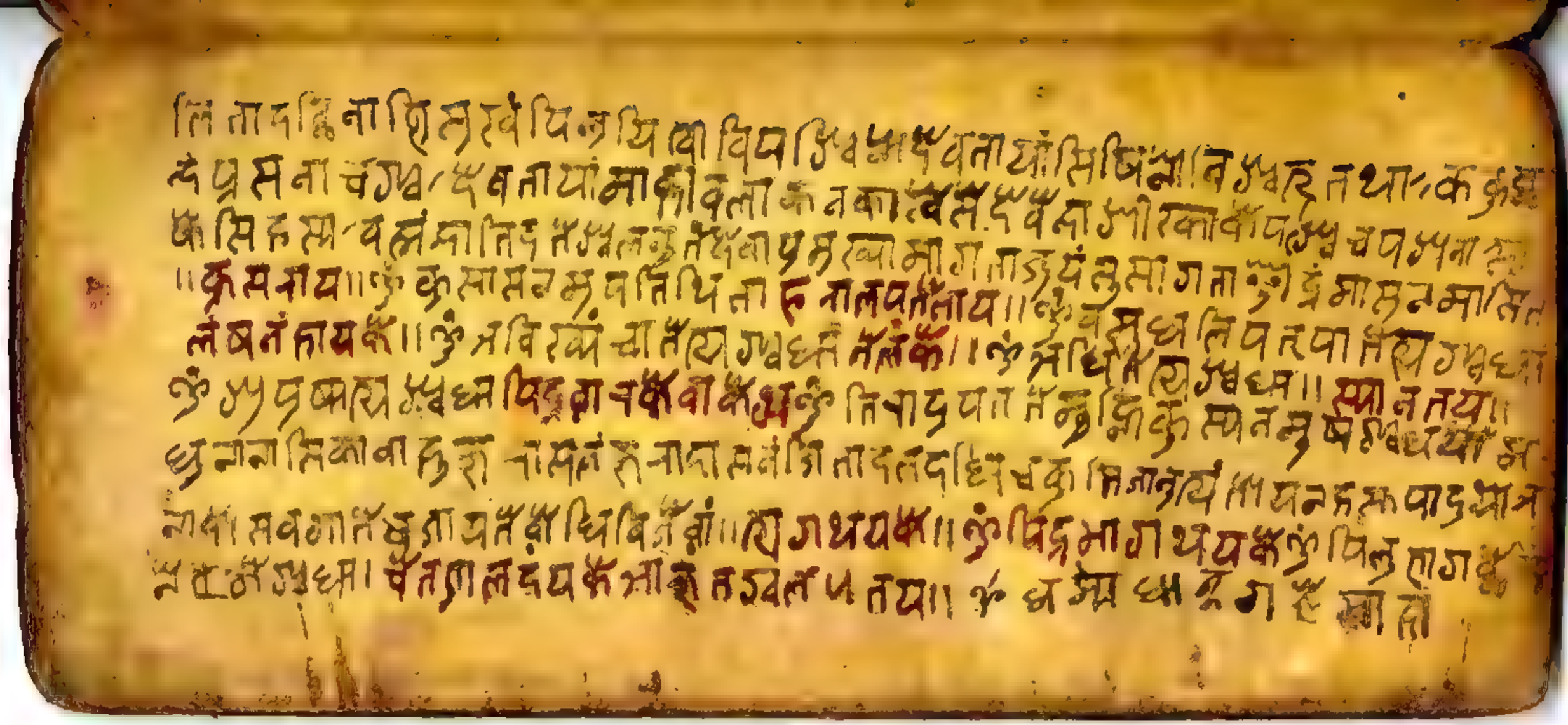

लक्षिपादस्नानमंत्रस्य परमाघापलमंत्रस्य

॥ॐ नमो भगवते वज्रकुमाराय वज्रधराय वज्रपाणये वज्रात्मकाय त्रिदुःकुलनिरवलोपनिरवशेषनिरवसेषकर्मक्षयं कुरु कुरु सर्वपापं दह दह सर्वदुःखं हन हन सर्वदुष्कृतं भंजय भंजय सर्वदुःस्वप्नं विनाशय विनाशय सर्वविघ्नं निवारय निवारय सर्वभयेभ्यो रक्ष रक्ष सर्वदुःखदारिद्र्यं विनाशय विनाशय सर्वव्याधिं नाशय नाशय सर्वशत्रून् मारय मारय सर्वदुष्टग्रहान् निवारय निवारय सर्वदुष्टान् भक्षय भक्षय सर्वदुष्टान् शोषय शोषय सर्वदुष्टान् संहारय संहारय सर्वदुष्टान् विद्रावय विद्रावय सर्वदुष्टान् उच्चाटय उच्चाटय सर्वदुष्टान् विध्वंसय विध्वंसय सर्वदुष्टान् छेदय छेदय सर्वदुष्टान् भेदय भेदय सर्वदुष्टान् मोहय मोहय सर्वदुष्टान् स्तंभय स्तंभय सर्वदुष्टान् जृंभय जृंभय सर्वदुष्टान् मोचय मोचय सर्वदुष्टान् बंधय बंधय सर्वदुष्टान् त्रासय त्रासय सर्वदुष्टान् वशीकुरु वशीकुरु सर्वदुष्टान् आकर्षय आकर्षय सर्वदुष्टान् मर्दय मर्दय सर्वदुष्टान् तापय तापय सर्वदुष्टान् पीडय पीडय सर्वदुष्टान् चूर्णय चूर्णय सर्वदुष्टान् विनाशय विनाशय सर्वदुष्ट

कवन सिद्धा सर्व कुलिस वज्रिणी य विद्यं प्रवास्वा मि पना सिद्ध स्वधा। सर्व
पिशा सक सिद्ध स्वधा अजा प्रपिशा सक पाद स्वधा॥ गया गंगा विद्य प्रयीक्षा
सक सिद्ध स्वधा॥ नवा ब्रह्मा विकलय यकेवा कय॥ ॐ ते वामि नाकुले
ज्ञा ज्ञा रूप जाय वराध वा सा मग ज्ञा वि भु पाक ज्ञा नं कुलेस
मरु मोद हे नरु ल्ला गा या रु ल्ला घा प ता गणि सक्का ल दिनम
ग्नि ले स्वधा नाय का कादि सं का क सिद्ध स्वाना दि सं वान सिद्ध गय
नमत्र विकल सिद्ध स्वधा॥ जानकं संघ मस्वधा। स्वधा॥ नमा तु गव
न सर्व दुर्ज नि पलि भा धनलण ज्ञन थागणा याकं म्म कं संबुधा य नदथं

ज्वधं नरविज्वधा नरसर्वपपाविज्वधनुधसर्वजापयलनविज्वधनज्वधा॥ल
धनक्ष॥ॐनमोहगवलेकसंमरवानथागनाथाहनेसमंकसंबुधायनध
थांवलिपाहालविश्वेपालमिनानवधपुजाभंधसमुद्रुलनसमयज्वधा॥धा
यज्वधा॥ॐसमयज्वधा॥लद्रुल॥ॐसर्वविग्वनाशायदसनद्रुलदान
पालमिनाद्रुलपुजाभंधसमुधद्रुलनसयज्वधा॥ध्न॥ॐसर्व
ज्वनाशायॐवीग्वनाशायदसनद्रुलदानपानमिनाधूपपुजाभं

धसमुद्रुलसमयज्वधा॥म्ना॥ॐसर्वविग्वनाशायविग्वध्व

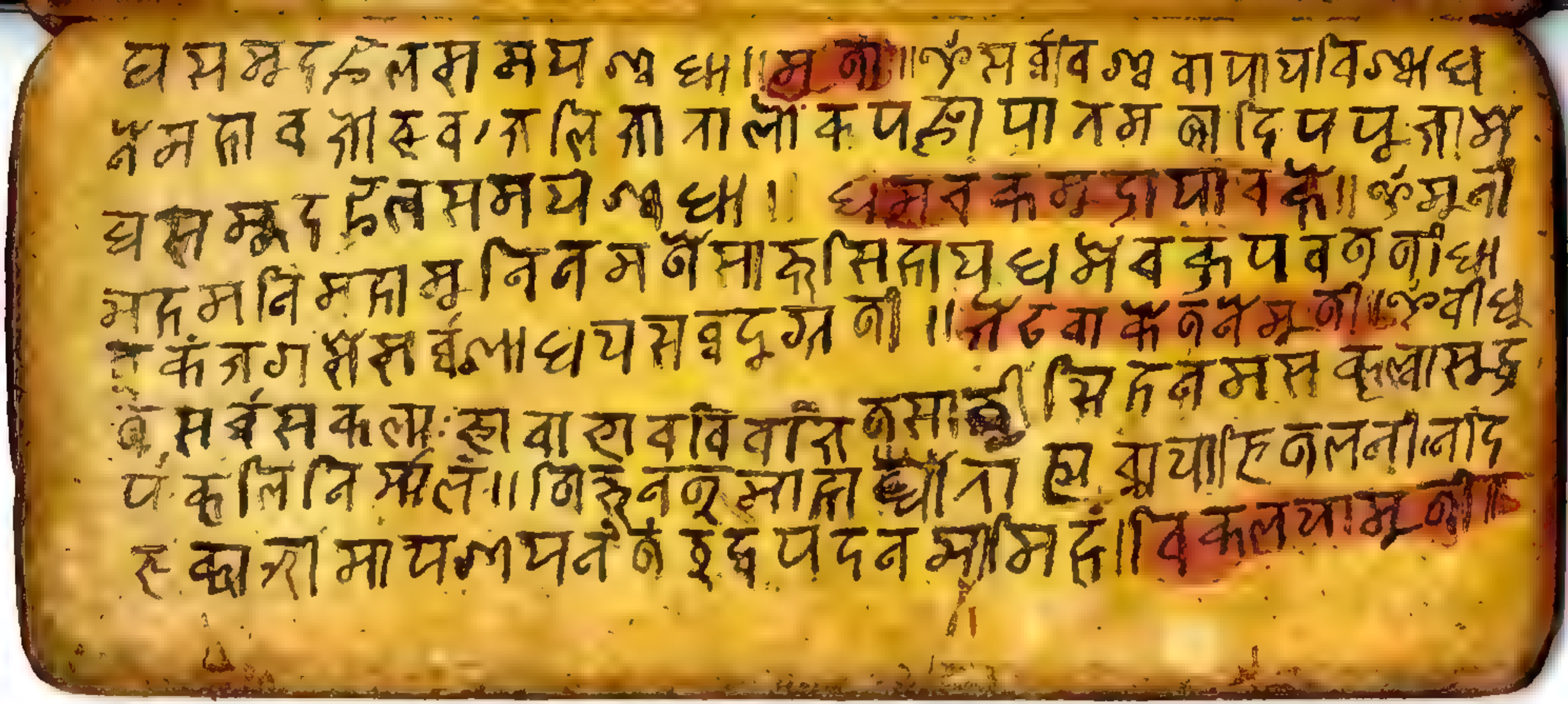

ॐ नमः सिद्धम्

देशनापापैमात्मसकोसत्वाअतितुंसमनकायापापैमेनयाभवकाया
यापापैनतिनिंदायादायापापैकोमृनिंदायादायापापैवेदनिंदायो
यापापै